



IIM Raipur and Tata Steel Foundation co-create the course “Management for Social Impact (MSI)”

Indian Institute of Management Raipur (IIMR) and Tata Steel Foundation (TSF) co-created the course “Management for Social Impact (MSI).” The course aim was to engage participants in projects that aim to have a social impact within the context of long-term development. This course was an integration of theoretical and practical knowledge of the social dimensions of sustainable development, and inclusive of field trips and real-world projects to encourage experiential learning. This was an elective course for 28 PGP-2 students of IIM Raipur conducted by faculties from IIM Raipur and resource persons from TSF and Tata Group.

The course objective was to:

- understand the social dimensions of sustainable development and the role of the business sector in creating social impact;
- analyze how socially responsible businesses can create value of social impact;
- understand aspects of social projects including lifecycle, risks, and the impact metrics
- experience social projects and be able to recognize opportunities and challenges in creating social impact

MSI was initiated on 16th January, 2023 and was delivered through 10 sessions across 3 phases and found a great acceptance amongst students and faculty at the institute. Phase I included classroom session , Phase II comprised of UNURUM immersion between students and Samvaad fellows, and Phase III was reflections from immersion, guest lecture by eminent business leaders from Tata Group (balancing the real conflicts, complementarities and conversations around value creation and social responsibility and on space for marginalized communities in the evolving public policy and regulatory landscape for businesses) and presentation on future road map for vulnerable communities.

“We feel privileged to share that IIM Raipur and Tata Steel Foundation co-created the 'Management for Social Impact' course based on the contemporary needs of the global society. We thank Tata Steel Foundation for trusting us at IIM Raipur.” said Prof. Ram Kumar Kakani (Director, IIM Raipur).

"The course on Management for Social Impact jointly offered by IIM Raipur and Tata Steel Foundation does not only expose IIM Raipur students to various vulnerable communities in a spirit of mutual learning, but also provides a fundamental understanding about what a responsible business stands for." said Prof. Santanu Bhadra (Assistant Professor, IIM Raipur).





भा प्र सं रायपुर और टाटा स्टील फाउंडेशन ने " सामाजिक प्रभाव हेतु प्रबंधन (एमएसआई)" पाठ्यक्रम का सह-निर्माण किया

भारतीय प्रबंध संस्थान, रायपुर (आईआईएम-आर) और टाटा स्टील फाउंडेशन ने एक साथ मिलकर "सामाजिक प्रभाव हेतु प्रबंधन (एमएसआई)" पाठ्यक्रम तैयार किया है। इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य प्रतिभागियों को दीर्घकालिक विकास के संदर्भ में सामाजिक प्रभाव डालने का लक्ष्य रखने वाली परियोजनाओं में शामिल करना था। यह पाठ्यक्रम संवहनीय विकास के सामाजिक आयामों के सैद्धांतिक और व्यावहारिक ज्ञान का एकीकरण है और इसमें अनुभव जन्य शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए क्षेत्र भ्रमण और वास्तविक जगत की परियोजनाओं को शामिल किया गया है। यह भा.प्र.सं., रायपुर के 28 पीजीपी-2 छात्रों के लिए एक वैकल्पिक पाठ्यक्रम है जिसका संचालन भा.प्र.सं., रायपुर के संकाय और टीएसएफ और टाटा समूह के संसाधन कर्मी कर रहे हैं।

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य है:

- संवहनीय विकास के सामाजिक आयाम और सामाजिक प्रभाव डालने में व्यवसाय जगत की भूमिका को समझना;
- इस बात का विश्लेषण करना कि किस तरह सामाजिक रूप से जिम्मेदार व्यवसाय सामाजिक प्रभाव के मूल्य का सृजन कर सकते हैं;
- जीवनचक्र, जोखिम और प्रभाव मीट्रिक्स सहित सामाजिक परियोजनाओं के पहलुओं को समझना
- सामाजिक परियोजनाओं का अनुभव लेना और सामाजिक प्रभाव डालने में अवसरों और चुनौतियों को पहचानने में समर्थ होना।

एमएसआई का 16 जनवरी, 2023 को शुभारंभ किया गया था और यह 3 चरणों में 10 सत्रों के माध्यम से सुपुर्द किया गया था और इसे संस्थान में छात्रों और संकाय के बीच काफी स्वीकृति मिली थी। चरण I में कक्षा सत्र, चरण II में छात्रों और संवाद अध्येताओं के बीच यूएनयूआरयूएम अंतर्वेशन, और चरण III अंतर्वेशन से चिंतन-मनन, टाटा समूह के प्रतिष्ठित व्यापारिक नेताओं द्वारा अतिथि व्याख्यान (मूल्य सूतन और सामाजिक उत्तरदायित्व के इर्द-गिर्द वास्तविक संघर्ष, पूरकता और बातचीत को संतुलित करना और विकासशील सार्वजनिक नीति और व्यवसायों के लिए नियामकीय परिदृश्य में हाशिए पर रहने वाले समुदायों के लिए स्थान पर) और कमजोर समुदायों के लिए भविष्य के रोड मैप पर प्रस्तुति शामिल था।

प्रो. राम कुमार ककनी ने कहा, "हम यह बताते हुए गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं कि भा.प्र.सं. रायपुर और टाटा स्टील फाउंडेशन ने वैश्विक समाज की समकालीन जरूरतों के आधार पर 'सामाजिक प्रभाव का प्रबंधन पाठ्यक्रम सह-निर्मित किया है। हम टाटा स्टील फाउंडेशन को भा.प्र.सं. रायपुर पर भरोसा करने के लिए धन्यवाद देते हैं।" (निदेशक, भा.प्र.सं. रायपुर)।

"भा.प्र.सं. रायपुर और टाटा स्टील फाउंडेशन द्वारा संयुक्त रूप से पेश किए गए सामाजिक प्रभाव के प्रबंधन पर पाठ्यक्रम न केवल भा.प्र.सं. रायपुर के छात्रों को आपसी सीखने की भावना से विभिन्न कमजोर समुदायों के सामने लाता है, बल्कि एक जिम्मेदार व्यवसाय के बारे में एक मौलिक समझ भी प्रदान करता है।" प्रो शांतनु भद्रा (सहायक प्रोफेसर, भा.प्र.सं. रायपुर)

